ISBN: 978-81-974990-9-8

13. Covid -19 मीडिया का प्रभाव और नए आयाम प्रभाव

डॉ. सुषमा पाण्डेय

डी. पी. विप्र. शिक्षा महाविद्यालय बिरकोना,
बिलासपुर.

सारांश:-

Covid -19 महामारी ने पूरे विश्व को गहरा झटका दिया है। मानवीय संबंध सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक सभी स्तरों पर नए आयाम और नई चुनौतियों को जन्म दिया जहां एक ओर पूरी विश्व की स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई लोगों में दहशत का वह आलम था कि वह मात्र सर्दी खांसी होने के कारण मामूली बीमारी समझी जाती थी अब वही बीमारी जानलेवा और मृत्यु की वजह बन गया प्रस्तुत अध्याय में Covid -19 मीडिया का प्रभावजन जीवन सामाजिक आर्थिक स्तर में सकारात्मक या नकारात्मक प्रभाव पड़ा और स्वास्थ्य के नए आयाम की रचना का उल्लेख किया गया है।

प्रस्तावना:-

चीन के वुहान शहर से शुरू हुआ कोरोना वायरस रोग (Covid 19) महामारी तेजी से विश्व के सभी देशो में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर फैल गया और वुहान शहर में Covid-19 की जननी के नाम से प्रसिद्ध हो गया Covid -19 की संकट और गंभीरता को देखते हुए WHO ने मार्च 2020 मे इस बीमारी की महामारी घोषित कर दिया गया इस प्रकोप के कारण कई देशों ने इस राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की घोषणा की इसी बीमारी की वजह से विश्व स्तर पर वैश्विक लॉकडाउन हो गया चाहे आर्थिक सामाजिक अन्य स्तर पर प्रभाव पड़ा आवजाही निषेध रूप से सामाजिक दूरी हो गया कोरोनावायरस जहां एक ओर मानव जीवन के निजात बना वहाँ दूसरी ओर वैश्विक अर्थव्यवस्था स्वास्थ्य संगठन सामाजिक संबंधी शिक्षा सभी क्षेत्रों में नई चुनौतियां सामने आई समस्या ये थी कि बिना घर से बाहर निकले सभी समस्याओं का हित

कैसे किया जाए उस परिस्थिति में मीडिया एक अस्त्र या कह सकते हैं, डूबते से बचने के लिए तिनके का सहारा मिला वरना जहाँ एक ओर मोबाइल या इंटरनेट का प्रयोग के बारे मे अत्यंत नकारात्मक विचारधारा रखते थे, परंतु कॉविड-19 में सांस लेने के लिएऑक्सीजन बनकर सामने आई।

Covid -19 मे मीडिया के नए परिदृश्य-

Covid -19 चुनौतियों को सामना करते हुए मीडिया ने नए आयाम की रचना की आज मीडिया के प्रभाव और नए आयाम को समझने के लिए सारे परिदृश्यो की संकल्पनाओं को समझना आवश्यक है। जिसकी चर्चा हम विभिन्न पहलुओं में करेंगे।

Covid -19 के महामारी और बच्चो पर मीडिया पर प्रभाव-

वर्तमान युग मे मीडिया का प्रयोग दैनिक जीवन चर्चा का हिस्सा बन कर रह गया है। व्यक्ति बाल्यवस्था, युवावस्था, वृद्धावस्था हो सभी को मायाजाल मे मोह रखा है। कई अध्ययनो से ज्ञात हुआ है,कि Covid -19 महामारी मे बच्चो मे इलेक्ट्रानिक उपकरणो का प्रयोग आनावस्यक बढ़ गया है, इसके प्रयोग से बच्चो मे एकाकीपन बढ़ गया है जिससे कई प्रकार से मानसिक अवसाद चिढ़चिढ़ापन परिवारिक सामंजस्य की कमी शारीरिक कार्य करने की क्षमता में कमी मानसिक असक्रियता आदि कई प्रकार की दिया है तथ्यों से ग्रसित हो गए हैं इसका परिणाम मानसिक भ्रम शारीरिक गतिविधियों में कमी आना काल्पनिक दुनिया में विचरण कर कई प्रकार के अपराधिक कार्य मे लिप्त हो जाते है साइबर अपराधों में वृद्धि हुई है बच्चों के द्वारा अपराध के नए प्रकरण निसंदेश चौकाने वाले थे।

Pul Med Central पत्रिका के अनुसार -

पत्रिका ने कलात्मक समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि 2022 मे एक गैर व्यवस्थित साहित्य की समीक्षा की खोज की इस दस्तावेज के लिए विभिन्न डेटाबेस का उपयोग किया गया था। जैसे "Google scholar" Pub M.Ed. Web of science स्क्रीन, मीडिया, डिजिटल उपयोग, सोशल मीडिया कोविड-19, "महामारी" 'लॉकडाउन बच्चे' कोविड-19 और बच्चो पर मीडिया प्रभाव" व्यापक रूप से देखा गया।

55 माताओ ने अपने बच्चों के व्यवहार में व्यापक अंतर को देखा। लंबे समय से स्क्रीन पर रहने के कारण मानसिक थकान, ध्यान संबंधी समस्याएं, जानकारी छिपाना, भावनाओं को नियंत्रित भरने में असमर्थ उपरोक्त कई समस्याएं जहाँ थी वही एक दुसरा पक्ष ये भी था, कि बच्चों के अपने कौशल को दिखाने और शिक्षा से जुड़े रहने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बच्चों की पढ़ाई के लिए एक नई तरकीब एवं नए आयाम दिखाई देने लगा ऑनलाइन पढ़ाई भी प्रारंभ हो गई।

छात्रों को पढ़ाई के समस्या ये थी कि उन्हें शारिरिक और मानसिक रूप से जैसे स्वस्थ्य रखा जाए। माता पिता के साथ सभी शिक्षा से जुड़े लोगों को भी चिंता थी कि बच्चों का क्या होगा।

परन्तु मीडिया के प्रयोग ने इस परेशानी का हल निकाला विभिन्न प्रतियोगिताएं सेमिनार, वर्कशाप, संगीत पेंटिंग नृत्य विभिन्न विधाओ का आयोजन किया गया वर्चुअली प्लेटफॉर्म मिला जहाँ घर बैठे विभिन्न शारिरिक मानसिक गतिविधियां कराई गई कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

अर्थात् हम कह सकते है, कि एक समय माता- पिता, शिक्षक बच्चों के मोबाइल पर क्यों पाबंदी लगाते थे,परंतु कोविड-19 में बच्चों के हाथ में मोबाइल को थमा दिया।

कुछ नकारात्मक भावो को छोड़ दिया जाए तो बच्चों के शिक्षा और कौशल विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और उनमें सामाजिक अलगाव की परेशानी से बचाया अपने दोस्तों के साथ भी बातें करना अन्य कई तरह से नए आयाम की भूमिका मीडिया ने निभाई।

Covid -19 महामारी और किशोरो प्रौढ़ पर मीडिया का प्रभाव।

कोविड-19 ने विशेषकर किशोर वर्ग के उपभोक्ताओं का ध्यान आकर्षित करने के लिए ऐप्स और नोटिफिकेशन को इस तरह रचना की गई किशोरों के जीवन में मीडिया का बोलबाला बढ़ गया है चाहे वह सूचना स्रोत हो या मनोरंजन। रिसर्च के अनुसार कनाडा में 30 मिलियन से अधिक सोशल मीडिया उपयोगकर्ता किशोर है।

सोशल मीडिया का सबसे प्रमुख पहलू है वह नाटकीय ढंग से किशोरों के जीवन में सकारात्मक एवं नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। किशोरावस्था में मस्तिष्क नाटकीय ढंग से गुजर रहा होता हैं।

कोविड-19 के दौरान शारिरिक दूरी बनाए रखने के नकारात्मक प्रभाव को डिजिटल डिवाइस पर ज्यादा समय बिताकर सामाजिक दूरी को कम किया। ऑनलाइन में एक से अधिक लोगो से मित्रता, पारस्परिक आत्मीकरण और सकारात्मक मज़ेदार अनुभवो को साझा किया। अपने अनुभवों और कौशल से एक दूसरे को सिखाने का प्रयास किया। माध्यम फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, टेलीग्राम अन्य माध्यम संबंधी उपयोगिता सामने आई 'वर्क फ्रॉम होम' एक नई संस्कृति का जन्म हुआ औऱ नौकरी जाने के बाद मीडिया ने नए व्यवसायिक अवसरों की खोज कर एक किशोरों की नई प्रेरणा और रोजगार की उपलब्धता की।

अर्थात् हम कह सकते है। कि मीडिया वो आग जिसमे जल कर निखरना और भस्म होना खुद पर ही निर्भर होता हैं।

Covid-19 महामारी और वृद्धों पर मीडिया का प्रभाव-

कोविड-19 का वृद्दो पर प्रभाव को नजरअंदाज कर सकारात्मक प्रभाव के प्रति जागरूक एवं सामाजिक प्रभाव वाली विश्लेषण एवं समय को बिताने अपने आप को सुरक्षित रखने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। जानकारी साझा करना उन्होंने भी खुद को समय के अनुसार अपडेट किया कई ने रील एवं विडीओ बनाकर प्रसिद्धि पाई और धन भी कमाया।

Covid-19 में मीडिया की भूमिका के कुछ नज़ारा प्रभाव को छोड़े तो 90% सकारात्मक पडाओ शिक्षा स्वास्थ्य व्यवसाय नौकरी कार्य करते थी शैली मे नई रचना तकनीकी का जन्म कुछ और असंभव चीज मीडिया के वजह से संभव होती दिखा पाई चाहे लोगो का एकाकी या दूर बैठे सात समुंदर पार या अपने दे में लोग सभी का साहस बढ़ाते और अपने छोड़े का एहसास दिलाते नजर आए। कभी भी किसी बात को जन जन तक पहुंचने का बीडा मिडिया ने उगाया चाहे वह सहायता के लिए ईश्वरीय मदद अन्य कोई सहायता

मीडिया द्वारा लोगों के लिए रेमेडेसिस इंजेक्शन ऑक्सीजन आदि खोजे के लिए मदद मांग रहे थे। वही ऐसे लोगो की भी कमी नहीं थी जिन्होंने खुद की लोगों की मदद की यह बात लोगों की समझ में आई की सोशल मीडिया सिर्फ एक मनोरंजन का साधन के रूप में प्रयोग नहीं किया जा सकता है। वरन इसका प्रयोग जान बचाने वाली सहायता प्रदान करने वाली अस्त्र के रुप मे शस्त्र के रुप मे कर सकते है।

अगर हम शिक्षा की ओर देखे तो एक नई शिक्षा पद्धति का विकास हुआ। Covid-19 महामारी के कारण शिक्षण संस्थानो महाविद्यालय विद्यालय को परिक्षाओ को स्थगित करना पडा छात्रो की पढ़ाई बाधित न हो इसलिए शिक्षा तंत्र को नई तकनीको का प्रयोग करना पडा।

परंतु पठन पाठन को ऑनलाइन मोड मे बहुत सारे चुनौतियो का सामना करना पडा वही इंटरनेट और उपकरणो की अनुपलब्धता या अन्य चुनौतियो का सामना करना पडा शिक्षा प्रणाली के इस बदलाव ने नई बहस को जन्म दिया की ई लर्निंग प्रणाली ने क्या छात्रो को सीखने मे मदद की है या पंगु बना दिया गूगल के प्रयोग ने बुध्दि की सक्रियता को क्षति पहुंची है एवं उनके विकास समाजिक और सांस्कृतिक कल्याण मे बाधा उत्पन्न हुई प्रश्न यह है कि मीडिया का यह आयाम शिक्षा के सभी आयामो को पिछे छोडने मे सक्षम है। शिक्षा के इस नए दौर को प्रौद्योगिक संवदित शिक्षण (TEL)के रूप सूचीबद्ध किया गया।

Covid -19 महामारी न केवल शारीरिक स्वास्थ को खराब नही किया बल्कि मानसिक आर्थिक स्वास्थ जो भी प्रभावित किया। विश्व भर मे Covid -19 संक्रमण ने लोगों की सामंजस्य और रचनात्मक तरीको से लोगों समुहों वर्गों से बातचीत कर जवाबदेही को निभाने के लिए राह बनाई कहते है। कि आवश्यकता ही अविष्कार की जननी है यह कहावत ही लोगो मे मीडिया के उपयोग करने के परिर्वतन मे दिखाई पड़ती है। मीडिया हमारे समाजिक जीवन को प्रभावित करने में अपनी भूमिका निभाता है राजनीति, सार्वजनिक निजी जीवन मे रचनात्मक कार्यो मे अन्वेषण मीडिया के माध्यम से प्रारंभ हो घर बैठे पर्यटन स्थान दवाइयाँ,संगीत जीवन मीडिया का भूमिका इक पल में समाहित होना मीडिया की नई अवधारणा का विकास हो गया।

जन -जन तथा अपनी प्रांत पहुंचाने में ऐसा माध्यम इसके पहले न्यूज पेपर या मैगजीन नहीं आ पाये थे। आज समाजिक, आर्थिक कलात्मक परिवारिक, राजनीतिक भावनात्मक क्षेत्र भी नहीं रह पाया हम देखते मीडिया Covid 19 मे बाद जिस शीर्ष आयाम में अपना वर्चस्व कब तक कायम रख पाएगा। कब तक मानव की ऊंगलियो से होगा आँखो दिशाओ से उतर कर दिल मे घर को जाएगा और संबंध मीडिया मे परिवर्तित हो जाएगा और मानव मीडिया से संचालित अपने जीवन को जी भर जीवन यपन का संवार पाएगा ये सवाल आगे आने वाले मीडिया संकलित स्रोतो ने ध्यान रखना आवश्यक होगा।

पुरानी संस्कृति को नय रूप मे:-

1. **चिकित्सा क्षेत्र में -** मीडिया के माध्यम से हम अपने घर मे रखी हुई सामाग्री का प्रयोग कर कैसे स्वाथ्य रहे पर कई वृद्ध जनो द्वारा बताए गए वीडियो से बनाते जाए ।
2. **कबाड़ से जुगाड़ -** कैसे हम घर में पड़ी पुस्तको का प्रयोग कर अपने घर को नया नया रूप दे सकते है कई ऐसे youtube channel है जैसे catch lite with Bhumi, priyz krective corner आदि ।
3. **आर्थिक सशक्तिकरण** घर में रहकर अपने कौशल द्वारा आर्थिक सशक्तिकरण तथा और covid - 19 को समय ज्यादा सशक्तिकरण के आयाम तक पहुॅचा।
4. **शिक्षा के नये मोड -** शिक्षा पूर्णतः डिजिटल व्यवस्था में परिवर्तित हो गई है online class का प्रचलन बढ़ा एवं कई प्रकार के कोर्स online मोड़ पर कराया जाता है। जिसमे मीडिया का बड़ा योगदान है ।
5. कला संस्कृत के लेन में - परमपरागत कलाओं को ओर कई जानकारी हमें मीडिया के माध्यम से मिली त्रिज्या फायदा लोक कलाओं को मिला देश की संस्कृति से रूबरू होने का अवसर भी प्राप्त हुआ ।
6. **सौंदर्य कला -** सौंदर्य को निखारने के लिए विभिन्न प्रकार के वीडियो रील हम Instagram, youtube अब माध्यमों में देखने लगे । घर में रहकर भी हम अपने आप को सुंदर बना सकते है।

7. **योग और ध्यान -** योग ध्यान के लिए विभिन्न प्रकार का ध्यान म्यूजिक योग को आसनों पर विभिन्न वीडियो रील बनाए गए कम समय में कर फौरन से योग कौन से योग हम स्वास्थ गत रख सकते है। इसका भी प्रचलन बढ़ा
8. **लेखक के क्षेत्र** मे लेखक के क्षेत्र में भी मीडिया ने नए आयाम का सृजान हुआ। E News, e story, e kaviaye शोध प्रचलन अन्य कई स्थान मिला और लेखन कला मे emd मीडिया का रोल अहम हो गया कागज पेन का जगह पर लैपटॉप मोबाइल ने लिए अपनी भावनो की अभिव्यक्ति या विचारो को सृजनामकता ऍव ebook का प्रयास संभव हो
9. **पाक कला** मे आज बहुत से पाककला के टीवी के साथ विडियो रोल मैं दिखाई देने लगे है, **Covid -19 के बाद इस प्रकार के कार्यक्रमो मे वृद्धि हुई है।**
10. **वस्त्र फैशन** संगीत मूवी फिल्में वेब सीरीज का प्रचलन नए फैशन की जानकारी के लिए मीडिया का योगदान महत्वपूर्ण हो गया है

अतःहम कह सकते हैं कि मीडिया Covid -19 के बाद नए जीवन के सभी क्षेत्रो मे मीडिया ने कायम की है। जिससे जीवन सुगमता से दुनिया लोग वैश्वीकरण मे शामिल हो गए । और आगे भी नए रूप में मीडिया के आयाम हमारे सामने अवश्य आएगा। **COVID-19** महामारी ने मीडिया की भूमिका और उसकी प्रभावशीलता को एक नए दृष्टिकोण से परखा।

इस महामारी के दौरान मीडिया ने समाज में व्यापक प्रभाव डाला, जिससे विभिन्न आयामों में बदलाव आया। इस 2000 शब्दों की विश्लेषणात्मक रिपोर्ट में हम **COVID-19** के दौरान मीडिया के प्रभाव और नए आयामों की गहराई से समीक्षा करेंगे।

1. सूचना का प्रवाह और उसकी सटीकता

1.1. सूचना का तीव्र प्रसार

COVID-19 के प्रारंभिक दिनों से ही मीडिया ने महामारी से संबंधित सूचनाओं को तेजी से प्रसारित किया। समाचार चैनलों, डिजिटल मीडिया, और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने जनता को संक्रमण के लक्षण, सुरक्षा उपाय, और सरकारी नीतियों के

बारे में तत्काल जानकारी प्रदान की। यह त्वरित सूचना लोगों को सतर्क और सुरक्षित रखने के लिए आवश्यक थी। हालांकि, इसके साथ ही जानकारी की सटीकता भी महत्वपूर्ण थी, क्योंकि गलत या भ्रामक सूचना से स्थिति और खराब हो सकती थी।

1.2. फेक न्यूज़ और भ्रामक सूचना

महामारी के दौरान फेक न्यूज़ और भ्रामक सूचनाओं का प्रसार एक महत्वपूर्ण चुनौती बनी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर अनगिनत गलत सूचनाएं और अफवाहें फैलीं, जिनसे लोगों की समझ और निर्णय प्रभावित हुए। उदाहरण के लिए, संक्रमण के इलाज के लिए घरेलू उपायों की गलतफहमी और वैज्ञानिक तथ्यों की अनदेखी ने स्थिति को जटिल बना दिया। इसके परिणामस्वरूप, मीडिया ने इन भ्रामक सूचनाओं को छानने और सही जानकारी प्रदान करने के लिए **fact-checking** और सत्यापन के प्रयास किए।

2. मीडिया का डिजिटल रूपांतरण

2.1. डिजिटल मीडिया का उभार

COVID-19 ने पारंपरिक मीडिया के साथ-साथ डिजिटल मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर किया। लॉकडाउन और सामाजिक दूरी के कारण लोगों ने अधिकतर समय ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर बिताया, जिससे डिजिटल समाचार, वेबिनार, और लाइव स्ट्रीमिंग की लोकप्रियता बढ़ी। यह डिजिटल परिवर्तन मीडिया के भविष्य की दिशा को भी बदल रहा है, जहां ऑनलाइन न्यूज़ प्लेटफॉर्म्स और सोशल मीडिया एक प्रमुख सूचना स्रोत बन गए हैं।

2.2. मीडिया के नए आयाम

डिजिटल मीडिया ने नई संभावनाओं को जन्म दिया। पत्रकारिता और मीडिया के क्षेत्र में नया प्रयोग हुआ, जैसे कि डेटा जर्नलिज़्म, पॉडकास्ट्स, और इन्फोग्राफिक्स का प्रयोग। ये सभी नए आयाम पाठकों को जानकारी को बेहतर ढंग से समझने और उसकी व्याख्या करने में मददगार साबित हुए हैं।

3. मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव

3.1. मानसिक स्वास्थ्य की समस्याएँ

मीडिया की लगातार कवरेज ने समाज में तनाव और चिंता को बढ़ाया। महामारी की भयावहता, संक्रमण की संख्या में वृद्धि, और सरकारी नीतियों की अनिश्चितता ने लोगों के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित किया।

लगातार निगरानी और मीडिया कवरेज से लोगों के अंदर डर और अनिश्चितता का माहौल पैदा हुआ, जिससे मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं बढ़ीं।

3.2.मीडिया की भूमिका और जागरूकता

मीडिया ने मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के प्रति जागरूकता फैलाने का भी प्रयास किया। विभिन्न समाचार चैनलों और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स ने मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के साथ बातचीत की और लोगों को मानसिक तनाव से निपटने के उपाय सुझाए।

इससे मानसिक स्वास्थ्य पर चर्चा शुरू हुई और सहायता प्राप्त करने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया गया।

4. सामाजिक और आर्थिक प्रभाव

4.1. सामाजिक असमानता का खुलासा

COVID-19 ने समाज में मौजूदा असमानताओं को और स्पष्ट कर दिया। मीडिया ने आर्थिक संकट, बेरोजगारी, और सामाजिक असमानता के मामलों को उजागर किया।

विशेषकर गरीब और वंचित वर्गों को महामारी के दौरान सबसे अधिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, और मीडिया ने इन मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। इसके परिणामस्वरूप, सरकारों और संगठनों ने इन असमानताओं को दूर करने के लिए नीतियों और योजनाओं को लागू किया।

4.2. आर्थिक संकट और लॉकडाउन

लॉकडाउन और आर्थिक प्रतिबंधों के कारण कई उद्योगों ने मंदी का सामना किया।

मीडिया ने इन आर्थिक प्रभावों की रिपोर्टिंग की और लोगों को रोजगार और वित्तीय सहायता के विकल्पों के बारे में जानकारी दी।

व्यापार, उद्योग, और श्रम बाजार पर मीडिया की निगरानी ने इन समस्याओं को उजागर किया और समाधान के लिए दबाव डाला।

5.राजनीतिक और समाजिक विमर्श

5.1. सरकार की नीतियों पर रिपोर्टिंग

मीडिया ने **COVID-19** के दौरान सरकार की नीतियों और निर्णयों पर सख्त निगरानी रखी।

लॉकडाउन, यात्रा प्रतिबंध, और वैक्सीनेशन अभियान जैसे मुद्दों पर मीडिया की रिपोर्टिंग ने सार्वजनिक राय को आकार दिया और सरकार को नीतियों की समीक्षा और सुधार के लिए प्रेरित किया। यह पारदर्शिता और जिम्मेदारी सुनिश्चित करने में मददगार साबित हुआ।

5.2. सामाजिक प्रतिक्रियाएं और आंदोलन

मीडिया ने समाजिक प्रतिक्रियाओं और आंदोलनों की रिपोर्टिंग की, जो महामारी के दौरान उत्पन्न हुए।

स्वास्थ्य सेवा की कमी, वैक्सीनेशन में बाधाएँ, और चिकित्सा संसाधनों की असमानता पर नागरिक आंदोलनों और अभियानों को प्रमुखता दी गई।

इन मुद्दों पर मीडिया की कवरेज ने समाजिक जागरूकता बढ़ाई और सुधार की दिशा में योगदान किया।

6. भविष्य के लिए मीडिया के नए दिशानिर्देश

6.1. मीडिया का भविष्य

COVID-19 ने यह स्पष्ट किया कि भविष्य में मीडिया को अपनी भूमिका और कार्यप्रणाली में बदलाव करना होगा। डिजिटल और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स का उपयोग बढ़ेगा, और पारंपरिक मीडिया को इसके साथ तालमेल बैठाना होगा। सटीकता, पारदर्शिता, और जिम्मेदारी मीडिया के मूल तत्व होंगे, जिन्हें नए तरीके से अपनाना होगा।

6.2. सूचना की सत्यता और अभिवृद्धि

भ्रामक सूचनाओं और फेक न्यूज़ की चुनौती से निपटने के लिए मीडिया को नए तकनीकी उपाय और सत्यापन प्रक्रियाओं को अपनाना होगा। डेटा जर्नलिज़्म और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे उपकरणों का उपयोग करके सूचना की सत्यता को सुनिश्चित किया जा सकता है और समाज को सही जानकारी प्रदान की जा सकती है।

निष्कर्ष

COVID-19 ने मीडिया की भूमिका और उसकी प्रभावशीलता को एक नए परिप्रेक्ष्य में पेश किया। जानकारी के तीव्र प्रसार, डिजिटल मीडिया के उभार, मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियों, और सामाजिक-आर्थिक मुद्दों पर मीडिया के प्रभाव ने समाज को नए दृष्टिकोण से देखने की प्रेरणा दी। मीडिया ने न केवल जानकारी प्रदान की, बल्कि समाज की समस्याओं को उजागर करने और समाधान के लिए प्रयास करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भविष्य में, मीडिया को इन नए आयामों और चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए अपनी भूमिका को और बेहतर बनाने की दिशा में काम करना होगा।